1027
16/12/13

खण्ड-4 बिहार विधान मंडल पुस्तकालय संख्या-6
शोध/संदर्भ ग्रंथ

एकादश बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग-1 कार्यवाही प्रश्नोत्तर सहित)

सत्यमेव जयते

दिनांक : 22 दिसम्बर, 1995 ई०

निर्माण की स्वीकृति का 1988-89 में 7.725 लाख रू० की लागत हुई थी;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त योजना का काम विभागीय स्तर से कराये जाने के बावजूद अभी तक पूरा नहीं हुआ है;

(3) यदि उपर्युक्त खडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार उक्त पथ की निर्माण कार्य कबतक पूरा करने का विचार रखती है, नही तो क्यों?

प्रभारी मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग – (1) उत्तर स्वीकारात्मक हैं। वर्ष 1988-89 में इस पथ को स्वीकृति 972 लाख रूपया की प्रदान की गई थी।

(2) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(3) प्रश्नाधीन पथ का निर्माण कार्य निधि के उलब्धता के अनूसार पूर्ण करा दिया जायेगा।

श्री चौबे का स्थानान्तरण

***सामु-24. श्री कृष्ण बल्लभ प्रसाद :** क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग यह बतलाने की कृपा करेगें कि-

(1) क्या यह बात सही है कि श्री विरेन्द्र नाथ चौबे सहायक अभियंता, एन० आर० ई० पी०, डालटेनगंज में 7 वर्षो से पदास्थापित है;

(2) क्या यह बात सही है कि चौबे, का गृह जिला डालटेनगंज है, और किसी भी सहायक अभियंता को गृह जिला में पदस्थापित करने का प्रावधान नहीं है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार श्री चौबे को नियमानुसार अपने गृह

जिला से अन्यत्र स्थानान्तरण करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक और नहीं तो क्यों?

प्रभारी मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग – (1) उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक हैं। श्री चौबे, सहायक अभियंता, एन० आर० ई० पी० डालटेनगंज (पलामू) में 5 जून 1989 से कार्यरत हैं।

(2) उत्तर स्वीकारात्मक हैं।

(3) श्री चौबे, सहायक अभियंता का स्थानान्तरण विभागीय अधिसूचना सं० 1962 दिनांक 30 जून 1995 द्वारा सहायक अभियंता ग्राम्य अभियंत्रण संगठन मिट्टी अन्वेषण प्रमंडल पूर्णिया में कर दिया गया है।

पथ का निर्माण

***पथ–127. श्री कृष्णवल्लभ प्रसाद :** क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि–

(1) क्या यह बात सही है कि नालन्दा जिला अन्तर्गत इस्लामपुर प्रखंड स्थित विधायक कोटा के वर्ष 1990–91 में ग्रामीण पथ शोभा बीघा से नवाबगंज तक स्वीकृत हैं;

(2) क्या यह बात सही है कि आज तक निधि के अभात में उक्त पथ का निर्माण कार्य पूरा नहीं किया सका हैं, यदि हां तो सरकार उक्त पथ के निर्माण हेतु कौन–सी कारवाई करना चाहती है, नहीं तो क्यों?

प्रभारी मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग – (1) उत्तर स्वीकारात्मक है। पथ का वास्तविक नाम धौरमा से नवाबगंज भाया सरीफाबाद है।

(2) पथ स्विीकृति लम्बाई 5 कि० मी० है जिसकी प्रशासनिक स्वीकृति 37.02 लाख रूपया है, इसके विरूद्ध अभी तक 8.13 लाख रूपये का व्यय हुआ है अभी तक 5 कि०मी०